ont>

Title: Regarding launching of new magazine 'Darpan' on Indian Airlines flights.

श्री चन्द्रनाथ सिंह (मछलीशहर) : उपाध्यक्ष महोदय, जब से यह सरकार आई है, तब से भ्रटाचार और घोटालों का बोलबाला है। â€¦(व्यवधान) इस सरकार ने भ्रष टाचार और घोटालों की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। मैं संक्षेप में एक बहुत महत्वपूर्ण मामला यहां उठाना चाहता हूँ। 'दर्पण' नाम की मैगज़ीन जो इंडियन एयरलाइन्स और एलाइस एयर में उड़ान पत्रिका के रूप में इंट्रोड्यूस की गई है, इससे पूर्व 'स्वागत' नाम की एक मैगज़ीन उड़ान में 22 वाँ से सप्लाइ होती है जो एक करोड़ रुपये प्र ातिर्वा रॉयल्टी के रूप में सरकार को देती है लेकिन बड़े गुपचुप तरीके से एक अखबार 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' में एक छोटा सा विज्ञापन निकालकर 'दर्पण' मैगजीन को सैलैक्ट कर लिया गया और मात्र एक लाख रुपया रॉयल्टी इससे ली जा रही है। इससे करोड़ों का घाटा सरकार को हो रहा है। रॉयल्टी भी नकद रूप में न लेकर इंडियन एयरलाइन्स के अधिकारी उसको उड़ान पत्रिका में विज्ञापन के रूप में दे रहे हैं। इसकी केवल 2000 प्रतियां सप्लाई हो रही हैं जबकि स्वागत मैगज़ीन 60 हजार प्रतियां सप्लाई कर रहा है। अगर नई मैगजीन इंट्रोड्यूस करनी थी तो अगर वह ज्यादा फायदा देती तो ली जाती, लेकिन यह भारतीय जनता पार्टी की स्पॉन्सर्ड मैगज़ीन है जो गोपनीय ढंग से रखी गई। जो करार हुआ था, विज्ञापन लिखा था वह एलाइन्ज़ एयर के लिए निकला था, लेकिन इंडियन एयरलाइन्स और एलाइन्ज़ दोनों में इसको लिया गया। जहां सरकार को एक करोड़ रुपया मिल रहा हो, वहां एक लाख रुपये प्रतिमाह के लिए किसी दूसरे को दे दिया जाए, इससे बड़ा घोटाला और कोई नहीं हो सकता है। â€¦(व्यवधान) उड़ान पत्रिका से छः लाख रुपये की गारंटी ली गई थी। â€¦(व्यवधान) 50 लाख रुपया की गारंटी स्वागत पत्रिका का है। इस प्रकरण की जांच सीबीआई से कराई जाए।

उपाध्यक्ष महोदय : ज़ीरो आवर में भााण नहीं दे सकते हैं। आप बैठिये। श्री रामजीलाल सुमन।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : इस पर सीबीआई द्वारा इनक्वायरी होनी चाहिए। â€¦(व्यवधान) मैंने दोनों पत्रिका को देखा है, दोनों में कितना अंतर है। उड़ान पत्रिका बहुत घटिया है पेज कम हैं। अतः दोनों की तुलना की जाए कि इतना बड़ा पक्षपात क्यों हुआ है। मैं सभा पटल पर स्वागत तथा उड़ान दोनों पत्रिका रख रहा हूं, साथ में अखबारों में छपे समाचारों की छाया प्रति भी रख रहा हूँ। â€¦ **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Ramjilal Suman is saying.

*(Interruptions) â€¦**

श्री मदन लाल खुराना : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने एक महत्वपूर्ण नोटिस दिया है। स्पीकर साहब ने कहा था कि आज मुझे बोलने का मौका मिलेगा। यह क्या बात है कि उन्हीं का नाम बार बार बुला रहे हैं? â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : खुराना जी, आपको भी मौका मिलेगा।

...(व्यवधान)

* Not Recorded

** As the Speaker supsequently did not accord the necesssary permission the documents were not treated as laid on the Table

उपाध्यक्ष महोदय : आपका नाम सूची में है। Please resume your seat. I will not tolerate this.

...(*Interruptions*)

श्री मदन लाल खुराना : उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत गम्भीर विाय है, इसलिए मैंने प्रार्थना की थी कि आप मुझे पहले बोलने का अवसर देंगे, लेकिन आपने मुझे बोलने का अवसर नहीं दिया और केवल उधर के लोगों को ही आप बोलने का मौका दे रहे हैं। क्या हम इस सदन के सदस्य नहीं हैं, क्या हमें बोलने का अवसर नहीं मिलेगा ? हम भी इस सदन के सदस्य हैं, हमारे क्षेत्र की भी महत्वपूर्ण और गम्भीर समस्याएं हैं, हम उन्हें उठाना चाहते हैं और आप हमें अवसर ही नहीं दे रहे हैं। â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Your name is there in the list.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: There is a limit.

...(*Interruptions*)

श्री मदन लाल खुराना : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने कल भी लिखकर दिया। आज भी अध्यक्ष महोदय को लिखकर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे मौका मिलेगा। â€¦(व्य वधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Khurana, you are a senior Member. You should know all these things. I am reading

out whatever has been written by the Speaker.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am requesting all of you to please resume your seats.

...(*Interruptions*)

SHRI MADAN LAL KHURANA : Sir, I am sorry to say that you are not giving me a chance...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Khurana, do not lose your temper. You are a senior Member. You should know the procedure. The hon. Speaker has written the name here. How can I deny them a chance?

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: This is not the way. I am sorry.

...(*Interruptions*)

श्री लाल बिहारी तिवारी : उपाध्यक्ष महोदय, â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : उपाध्यक्ष महोदय, â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री लाल बिहारी तिवारी एवं डा. रघुवंश प्रसाद सिह जी, मैंने आपको बोलने की इजाजत नहीं दी है। कृपया अपनी सीटों पर बैठिए।

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Lal Bihari Tiwari, please resume your seat.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Dr. Raghuvansh Prasad Singh, please resume your seat.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Yogi Aditya Nath, please do not disturb like this.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. यह शून्य-काल है। यदि गवर्नमेंट का कोई रिएक्शन होगा, तो मंत्री जी बताएंगे। आप दो-दो मिनट में अपनी बात कहें। यह समय भााण देने का नहीं है।

...(*Interruptions*)